वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 330 बुधवार 6 मई 2026 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

### देश के विधान मंडलों की समितियों को सशक्त बनाने के लिए समिति प्रणाली पर मंथन

# विधान मंडलों में जनप्रतिनिधियों की बढ़ेगी भागीदारी, देवनानी ने की चर्चा

## समितियों की कार्य प्रणाली में सभी राज्यों में एकरूपता लाने का प्रयास

### समितियों की मजबूती के लिए अभिशंषाओं का प्रतिवेदन लोकसभा में जून माह में प्रस्तुत किया जायेगा

**समितियां सदन का लघु रूप**

समिति की बैठक के पश्चात राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि देश में सभी राज्यों के विधान मण्डलों की समितियों की कार्यप्रणाली में एकरूपता लाने के लिए समितियों के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि विधान मंडलों की समितियां सदन का लघु रूप होती हैं। समितियों में विधायकों की भागीदारी बढ़ाने, उन्हें प्रभावी बनाने, उनके द्वारा किये जाने वाले परीक्षणों की प्रक्रिया को समान बनाने, समितियों की रिपोर्ट पर राज्य सरकारों द्वारा कार्यवाही कराये जाने और प्रतिवेदनों पर सदन में चर्चा कराये जाने पर विचार- विमर्श हुआ। बैठक में देश के विधान मंडलों की समितियों को सशक्त बनाने के लिए समिति प्रणाली पर मंथन हुआ।

### लोकतंत्र में समितियां महत्वपूर्ण

**जयपुर. कासं**

देश के विधान मंडलों की समिति प्रणाली की समीक्षा के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित सात पीठासीन अधिकारियों की उच्च स्तरीय समिति ने मंगलवार को यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के मंथन सभागार में गहन विचार- विमर्श किया। समिति में राजस्थान सहित मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और पश्चिम बंगाल विधान सभाओं के अध्यक्षों को शामिल किया गया है। समिति की यह द्वितीय बैठक है। इससे पहले समिति की प्रथम बैठक भोपाल में हुई थी। समिति के सभापति मध्यप्रदेश विधान सभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर है। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष सूरमा पाढ़ी और सिक्किम विधानसभा अध्यक्ष मिंगमा नोर्बू शेरपा इस समिति के सदस्य है। पश्चिम बंगाल विधान सभा अध्यक्ष इस बैठक में शामिल नहीं हुए। प्रारम्भ में समिति की बैठक का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बैठक में आये पांचों राज्यों के अध्यक्षगण का दुपट्टा ओढाकर अभिवादन किया। देवनानी ने सभी अध्यक्षगण को स्मृति स्वरूप ऊंट की धातु की प्रतिकृति भेंट की। सारंगीवादन से पधारो म्हारे देश की धुन, कच्छी घोड़ी नृत्य व कठपुतली कला प्रदर्शन से अतिथिगण अभिभूत हुए। राजस्थान की पारम्परिक हस्तकला निर्मित वस्तुओं को भी स्पीकर्स ने देखा। देवनानी ने बताया कि सभी राज्यों की समिति की कार्य प्रणाली का अध्ययन कर लिया गया है। समितियों को सक्रिय किये जाने की आवश्यकता है। बैठक में तय किया गया है कि इस उच्च स्तरीय समिति द्वारा तैयार की जाने वाली रिपोर्ट को जून माह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

### मुख्यमंत्री भजनलाल की 5 राज्यों से आए विधानसभा अध्यक्षों के साथ मुलाकात

देश के विधान मंडलों की समिति प्रणाली की समीक्षा के लिए गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक में शामिल होने आए विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में मुलाकात की। मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के साथ मध्य प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ओडिशा की विधानसभा अध्यक्ष सूरमा पाढ़ी और सिक्किम के विधानसभा अध्यक्ष मिंगमा नोर्बू शेरपा के सम्मान में आयोजित विशेष भोज में शामिल हुए एवं विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की।

# "माँ ज्ञानमती अमृत जलसेवा समर्पण" सेवापथ का भव्य शुभारंभ

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद, प्रतापनगर-सांगानेर संभाग द्वारा परिषद के 50वें स्वर्णिम जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में ''माँ ज्ञानमती अमृत जलसेवा समर्पण'' सेवापथ का भव्य शुभारंभ किया गया। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों एवं जरूरतमंदों को शीतल जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह सेवा शुरू की गई है। युवा परिषद परिवार द्वारा संचालित जीवदया मानव सेवार्थ कल्याण कोष के अंतर्गत, राष्ट्र गौरव एवं आर्यिका शिरोमणि ज्ञानमती माताजी के मंगल आशीर्वाद से इस सेवा का आरंभ हुआ। इसके तहत प्रतापनगर-सांगानेर

क्षेत्र में दो प्रमुख स्थानों—एयरपोर्ट टर्मिनल गेट नंबर 01 के सामने तथा श्योपुर, प्रतापनगर स्थित श्योपुर बस स्टैंड पर जलसेवा केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर राहगीरों को शुद्ध एवं शीतल जल उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम में शिरोमणि सेवापथ सरोवर सहयोगी के रूप में शांति कुमार-ममता, प्रियतम-मयूरी, समर्थ सौगानी परिवार (जापान वाले) तथा समाजरत्न गजेंद्र कुमार, प्रवीण-प्रिया, विकास-मेनका जैन बड़जात्या परिवार (कामां वाले) का विशेष सहयोग रहा। शुभारंभ अवसर पर महावीर-मंजू देवी, सर्वेश (रेलवे)-दिव्या (एलआईसी), सुनील-नेहा जैन पाटनी परिवार (रूपाहेड़ी वाले) ने सेवा कार्य का विधिवत आरंभ किया और भविष्य में भी निरंतर सहयोग बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के स्वर्णिम संयोजक के रूप में संजय गोधा, प्रदीप काला, सर्वेश पाटनी, संजय शाह एवं विवेक जैन चौधरी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर युवा अध्यक्ष अनिल पाटनी (प्रतापनगर) ने संबोधित करते हुए कहा कि यह सेवापथ कार्य केवल जल सेवा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का प्रतीक है। उन्होंने सभी सहयोगी परिवारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सामूहिक प्रयासों से ऐसे सेवा कार्य और अधिक सशक्त बनते हैं।

# श्री सन्मति सुनीलम् महिला मंडल, धावास का औपचारिक गठन

## पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव हेतु आचार्य श्री सुनील सागर महाराज को भेंट करेंगे श्रीफल

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धावास-जयपुर के अंतर्गत श्री सन्मति सुनीलम् महिला मंडल का विधिवत गठन किया गया। महिला मंडल की प्रचार मंत्री रीता जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वसम्मति से हुए चुनाव में सरिता लुहाड़िया को अध्यक्ष, नीतू जैन गर्ग को उपाध्यक्ष, सीमा बड़जात्या को मंत्री, खुशबू छाबड़ा को कोषाध्यक्ष चुना गया।

इसके साथ ही अल्पना ठोलिया एवं सीमा गोधा को संगठन मंत्री, शिमला जैन एवं प्रियंका गंगवाल को सांस्कृतिक मंत्री तथा रीता जैन को प्रचार मंत्री निर्वाचित किया गया। अंजलि बैद, अनीता जैन, मैना जैन, गुडलक जैन, प्रीति जैन एवं निशा जैन को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। मंदिर समिति के परम संरक्षक गजेन्द्र बड़जात्या, प्रवीण बड़जात्या, विकास बड़जात्या, निर्माण संयोजक जय कुमार जैन बड़जात्या, सलाहकार विजय सेठी, संरक्षक ललित काला, अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बैद, उपाध्यक्ष प्रमोद काला, मंत्री मितेश ठोलिया, कोषाध्यक्ष हैमेन्द्र लुहाड़िया, सह-कोषाध्यक्ष आशीष छाबड़ा, सह मंत्री मनोज जैन पचेवर एवं नरेन्द्र गोधा सहित समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने नवगठित मंडल को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी वक्ताओं ने वर्ष 2027 में धावास मंदिर में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव की तैयारियां अभी से प्रारंभ करने का आह्वान किया। महिला मंडल की अध्यक्ष सरिता लुहाड़िया एवं मंत्री सीमा बड़जात्या ने बताया कि शीघ्र ही पूज्य गुरुदेव, चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य श्री 108 सुनील सागर महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव के आयोजन हेतु पूरे संघ द्वारा श्रीफल अर्पित करने के लिए वडोदरा जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया जाएगा।

# प्रभु भक्ति से होता है पापों का क्षयः जिनदेवी माताजी

## धर्मसभा में हुए मंगल प्रवचन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** आचार्य रत्न बाहुबली महाराज की पट्टशिष्या, गणिनीप्रमुख आर्यिका रत्न श्री जिनदेवी माताजी ने मंगलवार को सेठी कॉलोनी स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा में प्रवचन देते हुए कहा कि प्रभु के गुणों में अनुराग और प्रेम ही भक्ति है। संसार सागर से पार होने के लिए प्रभु भक्ति रूपी नैया का सहारा आवश्यक है। प्रभु भक्ति से पापों का क्षय होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है, जैसे सूर्य के उदय से अंधकार दूर हो जाता है। उन्होंने कहा कि भक्ति से मन में प्रसन्नता आती है और प्रसन्न मन से पुरुषार्थ सिद्ध होता है। इससे जीवन का उत्थान होता है तथा चिंताएं समाप्त हो जाती हैं। भक्ति के प्रभाव से तनाव और अनेक शारीरिक-मानसिक व्याधियों से भी मुक्ति मिलती है। उन्होंने बताया कि भक्ति साधक को अमरत्व की ओर ले जाती है और मुक्ति रूपी लक्ष्य को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करती है। आर्यिका श्री ने प्रेरित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में उठकर आत्मध्यान, योग और साधना करनी चाहिए। जैसे भूमि में गड़े धन को बिना परिश्रम के प्राप्त नहीं किया जा सकता, उसी प्रकार कर्मरूपी आवरण में छिपे आत्मज्ञान को प्रभु भक्ति के बिना प्राप्त करना संभव नहीं है। कार्यक्रम का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि धर्मसभा के प्रारंभ में चित्र अनावरण और दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने पूजनीया माताजी का पाद पक्षालन कर भक्तिभाव से जिनवाणी भेंट की। कार्यक्रम में अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी एवं महामंत्री धर्मीचंद जैन ने अतिथियों का स्वागत किया।


विश्वास आपका... साथ हमारा...

समाचार जगत

www.samacharjagat.com

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा
संस्थापक

46 वर्षों से

निर्भीक, निष्पक्ष, सटीक, आपका अपना अखबार

"दैनिक समाचार जगत" के 46 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

आपकी निर्भीक, निष्पक्ष और जनसेवा के प्रति समर्पित पत्रकारिता समाज के लिए प्रेरणादायक है।
हर वर्ग की आवाज़ को मजबूती से उठाकर आपने विश्वास और सम्मान अर्जित किया है।
सत्य और पारदर्शिता के मार्ग पर आपका यह सफर निरंतर आगे बढ़ता रहे।
इसी प्रकार आप नई उपलब्धियों के साथ सफलता के शिखर को छूते रहें।
उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएं।"

::शुभेच्छु::

दीपक गोधा (गोधा पब्लिसिटी)

# बेगस के प्राचीन जैन मंदिर का वार्षिक मेला भक्ति भाव से सम्पन्न, "चांदवाड़ सभागार" का लोकार्पण

## 465 वर्ष प्राचीन शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, सौगाणी परिवार ने किया ध्वजारोहण, चेतन-रेखा छाबड़ा बने सौधर्म इन्द्र

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

राजधानी जयपुर से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित अति प्राचीन एवं मनोहारी श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, बेगस का 15वां वार्षिक मेला रविवार, 3 मई को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन एवं विधान मंडल पूजन सहित विविध मांगलिक अनुष्ठान पं. प्रद्युम्न शास्त्री के निर्देशन में संपन्न हुए। मेले का मुख्य आकर्षण दिगम्बर जैन भामाशाह परिवार द्वारा निर्मित ''चांदवाड़ सभागार'' (डोम) का लोकार्पण रहा। चीफ कोऑर्डिनेटर जयकुमार जैन बड़जात्या (सीकर वाले) ने बताया कि सिनोदिया वाले श्रेष्ठी परिवार की ओर से सुमनलता, प्रदीप-खुशबू, कृष्णा एवं निहाल सौगाणी ने ध्वजारोहण कर मेले का शुभारंभ किया। ध्वजारोहण के साथ ही मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा और भक्तिमय वातावरण बन गया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष पूनमचंद ठोलिया एवं मंत्री सुरेश छाबड़ा ने जानकारी दी कि दिगम्बर जैन भामाशाह अशोक-शकुंतला चांदवाड़ ने अपने माता-पिता स्वर्गीय लल्लूलाल एवं छुट्टन देवी की पुण्य स्मृति में निर्मित भव्य पांडाल (डोम) का लोकार्पण किया। यह सभागार भविष्य में धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। विधानाचार्य पं. प्रद्युम्न शास्त्री के निर्देशन में आयोजित विधान मंडल पूजन में दीप प्रज्वलन का पुण्य लाभ नरेश-नीना कासलीवाल ने प्राप्त किया, वहीं सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य चेतन कुमार-रेखा छाबड़ा परिवार को मिला।

### 465 वर्ष प्राचीन मंदिर, 2011 में हुआ जीर्णोद्धार

चीफ कोऑर्डिनेटर जयकुमार जैन ने बताया कि बेगस का यह जैन मंदिर 465 वर्ष से अधिक प्राचीन है। वर्ष 2005 में मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ हुआ, जो 2011 में पूर्ण होकर मंदिर का भव्य स्वरूप सामने आया। तब से प्रतिवर्ष यहां मेला आयोजित किया जाता है। मंदिर की आकर्षक बनावट और भव्यता श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित करती है। साधु-संतों के प्रवास हेतु ''गुणसागर भवन'' पहले से निर्मित है, वहीं नए ''चांदवाड़ सभागार'' के निर्माण से व्यवस्थाएं और सुदृढ़ हुई हैं।

आयोजन में जयपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु निशुल्क बस सेवा के माध्यम से पहुंचे और पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम का प्रसारण आगामी दिनों में जिनवाणी चैनल पर भी किया जाएगा। मेले में राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष पांड्या, महामंत्री मनीष बैद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद कोटखावदा, राखी जैन सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। भामाशाह अशोक-शकुंतला चांदवाड़ एवं चेतन-रेखा छाबड़ा को उनके योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रबंध समिति के बुद्धिप्रकाश ने बताया कि साधु-संतों के प्रवास को सुदृढ़ करने के लिए 14 इंच के बोरिंग निर्माण की घोषणा भी की गई। श्रीजी की माल एवं महाआरती का सौभाग्य सुरेश, रमेश एवं दिव्यांश छाबड़ा परिवार, बेगस को प्राप्त हुआ। मंदिर समिति ने कहा कि यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि सामाजिक समरसता और संस्कृति संरक्षण का भी सशक्त संदेश देता है।

## राजनीति

# सूचना का अधिकारः नियंत्रित पारदर्शिता की ओर बढ़ता भारत

**अरुण कुमार डनायक**

आधुनिक ऊर्जा और भू-राजनीतिक परिदृश्य में पूर्ण अपारदर्शिता न तो संभव है और न ही वांछनीय। लेकिन जब गोपनीयता का दायरा लगातार विस्तृत होता जाए और पारदर्शिता अपवाद बन जाए, तो लोकतांत्रिक जवाबदेही पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। ऊर्जा क्षेत्र में पारदर्शिता केवल प्रशासनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही का मूल आधार है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि गोपनीयता, सार्वजनिक हित और नागरिकों के सूचना अधिकार को पीछे न धकेले। केंद्रीय सूचना आयोग द्वारा रूस से भारत के कच्चे तेल आयात से संबंधित विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करने से इनकार को 27 अप्रैल 2026 के निर्णय में बरकरार रखना इसी बहस को फिर से जीवित करता है। आयोग ने सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8(1)(डी) और 8(1)(ई) का हवाला देते हुए कहा कि कंपनी-वार आयात डेटा में मूल्य निर्धारण, अनुबंध, छूट और व्यापारिक रणनीतियों जैसी संवेदनशील जानकारियां शामिल हैं, जिन्हें विश्वासगत आधार पर प्राप्त किया जाता है। अतः इनके प्रकटीकरण से कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति प्रभावित हो सकती है। इस प्रकार आयोग ने पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के उस निर्णय को उचित ठहराया, जिसमें जून 2022 से जून 2025 के बीच रूस से आयातित कच्चे तेल का कंपनी-वार और विस्तृत देश-वार विवरण देने से इनकार किया गया था। हालांकि, आयोग ने पीपीएसी को धारा 4 और 25(5) के तहत स्वप्रेरित पारदर्शिता बढ़ाने के निर्देश भी दिए। यह रुख एक संतुलन साधने का प्रयास तो दशार्ता है, किंतु विस्तृत डेटा पर रोक और पारदर्शिता बढ़ाने की सलाह एक प्रकार का विरोधाभास भी प्रतीत होती है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रियायती रूसी तेल आयात में उल्लेखनीय वृद्धि की और 2024-25 में रूस प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया। वैश्विक प्रतिबंधों, मध्य-पूर्व तनाव और अमेरिका के दबाव के बीच भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को संतुलित करता रहा है।

## संपादकीय

# नायक की टीवीके का ऐतिहासिक उदय

तमिलनाडु के 2026 विधानसभा चुनाव परिणामों ने राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव दर्ज किया है। दशकों से चले आ रहे द्रविड़ राजनीति के द्वैध को तोड़ते हुए अभिनेता से राजनेता बने जोसेफ विजय की तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनाव में 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनने का गौरव हासिल किया। यह परिणाम केवल एक राजनीतिक जीत नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरूआत का संकेत है। दूसरी ओर, सत्तारूढ़ डीएमके 59-73 सीटों के आसपास सिमट गई, जबकि एआईएडीएमके का प्रदर्शन और भी कमजोर रहा। सबसे बड़ा झटका तब लगा जब मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन अपनी पारंपरिक सीट कोलाथुर से हार गए। यह हार जनता के बदलते मूड का स्पष्ट संकेत मानी जा रही है। टीवीके की यह सफलता अचानक नहीं आई। वर्ष 2024 में गठित इस पार्टी ने मात्र दो वर्षों में अपनी मजबूत पकड़ बना ली। विजय, जिन्हें उनके प्रशंसक 'थलपति' के नाम से जानते हैं, ने पेरांबुर और तिरुचिरापल्ली पूर्व से चुनाव लड़कर दोनों स्थानों पर जीत दर्ज की। उनकी पार्टी ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में समान रूप से प्रभाव जमाया। करीब 85.1% मतदान के साथ टीवीके को लगभग 35% वोट प्राप्त हुए, जो उसकी व्यापक स्वीकृति को दर्शाता है। इस जीत के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण रहे। सत्तारूढ़ डीएमके के खिलाफ बढ़ता असंतोष प्रमुख कारण बना। भ्रष्टाचार के आरोप, परिवारवाद, बेरोजगारी और युवाओं में बढ़ती निराशा ने मतदाताओं को नए विकल्प की ओर मोड़ा। विजय ने अपने चुनाव अभियान में महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता, युवाओं के लिए रोजगार, नशा मुक्त समाज और सुशासन जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उनकी सिनेमा लोकप्रियता को उन्होंने एक सशक्त राजनीतिक ब्रांड में परिवर्तित किया, जिससे युवाओं और पहली बार मतदान करने वालों का व्यापक समर्थन मिला। द्रविड़ दलों का लंबे समय से चला आ रहा वर्चस्व टूटना भले ही अप्रत्याशित न हो, लेकिन इसकी गति ने सभी को चौंकाया। डीएमके और एआईएडीएमके वर्षों से जातीय समीकरणों, भावनात्मक नारों और कल्याणकारी राजनीति पर निर्भर रहे। समय के साथ यह राजनीति ठहराव का प्रतीक बन गई। इसके विपरीत, टीवीके ने 'तमिलगा वेट्री' के नारे के साथ क्षेत्रीय गौरव और विकास को जोड़ा, जिसने युवाओं को आकर्षित किया। हालांकि, विजय के सामने अब बड़ी चुनौतियां भी हैं। पूर्ण बहुमत से दूर रहने के कारण उन्हें सरकार गठन के लिए सहयोगियों की आवश्यकता होगी। कांग्रेस या अन्य दलों के साथ संभावित गठबंधन की चर्चा है। इसके अलावा, प्रशासनिक अनुभव की कमी, वादों को पूरा करने का दबाव और केंद्र-राज्य समन्वय जैसे मुद्दे भी महत्वपूर्ण होंगे। इसके बावजूद, यह परिणाम तमिलनाडु के लिए सकारात्मक संकेत देता है। नई पीढ़ी के नेतृत्व के साथ यदि नीतिगत सुधार और पारदर्शिता पर जोर दिया जाता है, तो राज्य को नई दिशा मिल सकती है।

**-राकेश जै गोदिका**

## परिदृश्य

# किराये की संतान नहीं, अपनत्व का पुनर्जागरण

**ललित गर्ग**

जीवन की सांझ जब अपने पूरे विस्तार के साथ उतरती है, तब मनुष्य को सबसे अधिक आवश्यकता दवाइयों या धन की नहीं, बल्कि अपनों के सान्निध्य की होती है। यह वह समय है जब व्यक्ति अपने अनुभवों और भावनाओं को साझा करना चाहता है। लेकिन आज का कठोर यथार्थ यह है कि अनेक बुजुर्ग अपने ही घरों में अजनबी बनकर रह गए हैं। विशाल मकानों की खामोशी और सूने आँगन एक ऐसी त्रासदी रचते हैं, जो केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक विघटन का संकेत है। आज वैश्वीकरण और बेहतर भविष्य की तलाश ने नई पीढ़ी को सात समंदर पार बिखेर दिया है। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ी कीमत पारिवारिक संवेदना के क्षरण के रूप में चुकानी पड़ रही है। अनेक बच्चे विदेश जाकर इतने व्यस्त हो जाते हैं कि माता-पिता केवल फोन कॉल और औपचारिक संदेशों तक सीमित रह जाते हैं। यह केवल दूरी की समस्या नहीं, बल्कि भावनात्मक संकट है। इसी संवेदनहीनता के बीच एक विचलित करने वाला चलन उभरा है ''किराये की संतान''। कुछ संस्थान अब ऐसे युवाओं को उपलब्ध करा रहे हैं, जो शुल्क लेकर बुजुर्गों के साथ समय बिताते हैं, उनके साथ टहलते हैं और बातें करते हैं। पहली दृष्टि में यह राहत जैसा लगता है, लेकिन गहराई से देखें तो यह हमारे सामाजिक ढांचे की विफलता का प्रमाण है। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब ममता और अपनत्व भी अनुबंधों और पैकेजों में बांटे जाएंगे? क्या संबंधों की गर्माहट सेवा-शुल्क के साथ उपलब्ध होगी? यह स्थिति एक गहरी चेतावनी है कि हम अपने मूल्यों से कितनी दूर चले आए हैं। हालांकि, हर परिवार की मजबूरियां एक समान नहीं होतीं, लेकिन व्यापक स्तर पर यह प्रवृत्ति आत्मकेंद्रित जीवनशैली का ही परिणाम है। अधिक चिंताजनक यह है कि यह 'सुविधा' केवल आर्थिक रूप से संपन्न बुजुर्गों तक सीमित है। मध्यमवर्गीय या निम्नवर्गीय बुजुर्ग, जिनके पास पेंशन नगण्य है, वे आर्थिक असुरक्षा और मानसिक अवसाद के बीच झूलने को मजबूर हैं। आज का समाज तीव्र गति से बाजारवाद की ओर बढ़ रहा है, जहां रिश्ते उपयोगिता के आधार पर आंके जाते हैं। परिवार, जो कभी संस्कारों का केंद्र था, अब महत्वाकांक्षाओं के दबाव में बिखर रहा है। डिजिटल दुनिया ने संवाद को सतही बना दिया है, जिससे आत्मीयता का स्थान औपचारिकता ने ले लिया है। विकसित देशों में सरकारें बुजुर्गों की जिम्मेदारी उठाती हैं, लेकिन भारत में, जहाँ परिवार ही सबसे बड़ी सुरक्षा था, वह ढांचा अब कमजोर पड़ रहा है। समाधान केवल भावनात्मक अपील से नहीं निकलेगा, इसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण चाहिए। सबसे पहले शिक्षा को रोजगार के साथ-साथ जीवन मूल्यों का संवाहक बनाना होगा। दूसरा महत्वपूर्ण कदम 'वृद्धाश्रमों और अनाथालयों का एकीकरण' हो सकता है। यदि बुजुर्गों और अनाथ बच्चों को एक ही परिसर में रखा जाए, तो बच्चों को स्नेह मिलेगा और बुजुर्गों को अपनत्व। यह संबंध कृत्रिम नहीं बल्कि स्वाभाविक होगा। अंततः, समाज केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि संवेदनाओं की समृद्धि से विकसित होता है। यदि हम अपने बुजुर्गों को सम्मान और सुरक्षा नहीं दे पा रहे, तो हमारी सारी उपलब्धियां अधूरी हैं। ''किराये की संतान'' का विचार हमें आत्ममंथन के लिए विवश करता है। यदि हम एक स्वस्थ समाज चाहते हैं, तो हमें अपनत्व के उस दीप को पुनः प्रज्वलित करना होगा, जिसकी रोशनी में हर बुजुर्ग अपने जीवन की सांझ को गरिमा और सुकून के साथ जी सके।

# तेज धूप और कम है छाया, जेठ मास का मौसम आया : अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

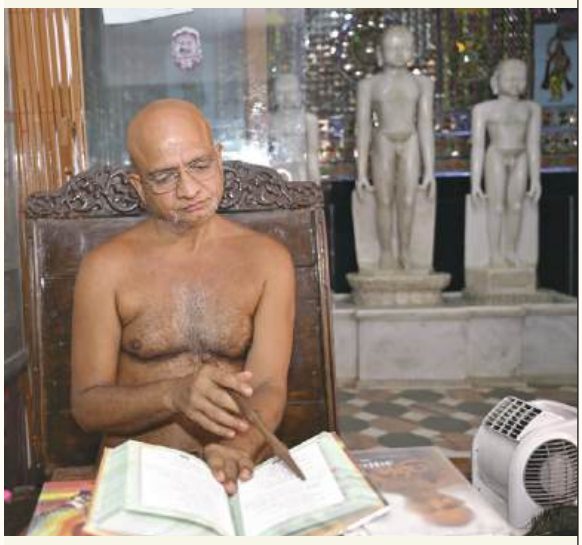

परतापुर (बांसवाड़ा). शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ इन दिनों परतापुर, बांसवाड़ा में विराजमान हैं। उनके सानिध्य में विविध धार्मिक कार्यक्रमों की श्रंखला निरंतर संचालित हो रही है। इसी क्रम में आचार्य श्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जीवन के गूढ़ संदेश प्रदान किए। आचार्य श्री ने कहा कि जेठ मास की तपती धूप, गर्म सड़क और पसीने से लथपथ शरीर के बावजूद मनुष्य धन-संग्रह की दौड़ में लगा हुआ है। वह मानो यह भूल गया है कि प्रकृति ने जीवन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से ही कर रखी हैं—सूर्य, चंद्रमा, पेड़-पौधे, नदियां, झरने और समस्त जीव-जंतु। यदि मनुष्य प्रकृति के इस उपकार को समझ ले, तो जीवन सहज और सरल बन सकता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति उस चीज के लिए जीवनभर जोड़ता रहता है, जिसे अंततः छोड़कर जाना ही है। आचार्य श्री ने एक उदाहरण देते हुए बताया कि एक बार गेहूं का बोरा रास्ते में गिर गया। पक्षियों और पशुओं ने अपनी आवश्यकता अनुसार दाना चुगकर संतोष कर लिया, जबकि मनुष्य ने पूरा बोरा उठा लिया। इससे स्पष्ट होता है कि पशु वर्तमान में जीते हैं, जबकि मनुष्य भविष्य की चिंता में उलझा रहता है। उन्होंने कहा कि कफन में जेब नहीं होती, फिर भी मनुष्य लोभ और तृष्णा में डूबा रहता है। उन्होंने आगे कहा कि मनुष्य यह भ्रम पालता है कि उसके बच्चे उसके भाग्य से पलते हैं, जबकि प्रकृति हर जीव के लिए आवश्यक साधन स्वयं उपलब्ध कराती है। जीवन एक आनंदमयी यात्रा है—इसे सहजता से जीना चाहिए, हंसना-हंसाना चाहिए और अनावश्यक चिंताओं से दूर रहना चाहिए। आचार्य श्री ने कहा कि प्रकृति ने जल, अन्न, वायु, अग्नि और धरती जैसी मूलभूत आवश्यकताएं प्रदान की हैं, फिर भी मनुष्य चिंता करते-करते जीवन को बोझिल बना लेता है। उन्होंने संदेश दिया कि चिंता उतनी ही करनी चाहिए, जिससे कार्य पूर्ण हो सके, क्योंकि अधिक चिंता अंततः व्यक्ति को चिता तक पहुंचा देती है। उन्होंने संत कबीरदास के दोहे का उल्लेख करते हुए कहा ''राम भरोसे जो रहे, पर्वत पर हरियाय'' और जीवन में संतोष, सरलता तथा विश्वास को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

**(नरेंद्र अजमेरा, पियूष कासलीवाल, औरंगाबाद)**

# दुर्गापुरा में जैन महिला महासमिति का भव्य आयोजन, भक्ति और सेवा का संगम

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति, जयपुर कैपिटल युवा संभाग द्वारा श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर, दुर्गापुरा में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भक्ति, समाजसेवा और मनोरंजन का सुंदर संगम देखने को मिला। युवा संभाग की अध्यक्ष रुचिका कासलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत दीपिका गंगवाल के सहयोग से भक्तामर स्तोत्र के पावन पाठ के साथ हुई, जिससे वातावरण भक्तिमय और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर हो गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि त्रिशला संभाग की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती चंदा सेठी रहीं, जिनका स्वागत युवा संभाग की कोषाध्यक्ष सोनम जैन ने किया। मुख्य अतिथि ने महिला संगठन की एकजुटता और समाज के प्रति उनके योगदान की सराहना की। 'मातृ महीना' के उपलक्ष्य में संभाग की वरिष्ठ सदस्या का सम्मान किया गया। इसी अवसर पर नव कार्यकारिणी का गठन कर नई टीम को आगामी सत्र के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यक्रम के दौरान जीव-दया का संदेश देते हुए अध्यक्ष रुचिका कासलीवाल द्वारा 'परिंदा वितरण' किया गया, ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था हो सके। साथ ही, श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान द्वारा आयोजित 'श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर' के पोस्टर का विमोचन किया गया, जिसे शिविर प्रभारी एवं युवा संभाग की कार्याध्यक्ष दीपिका बिलाला ने संपन्न किया। मनोरंजन सत्र में कविता और जॉली ने 'सास-बहू हाउजी' सहित विभिन्न रोचक खेलों के माध्यम से सभी को आनंदित किया।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री प्रियंका चांदवाड़ एवं पिंकी शाह द्वारा प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार भी प्रदान किए गए। पूरे आयोजन को सफल बनाने में मोनिका जैन (दुर्गापुरा) का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन सुरुचिपूर्ण सामूहिक भोज के साथ हुआ।

# सीआरडीएवी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में बीए विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई

**रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया**

**ऐलनाबाद।** सीआरडीएवी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में बीए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के चेयरमैन श्री ईश कुमार मेहता एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री जगदीश मेहता की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने डांस, गेम्स, सिंगिंग सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रस्तुतियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। फेयरवेल के दौरान जहां खुशी और उत्साह का माहौल रहा, वहीं अपने कॉलेज जीवन की यादों को साझा करते हुए कई विद्यार्थी भावुक भी नजर आए। कार्यक्रम में सीआरडीएवी गर्ल्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य डॉ. रणजीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य कमल मेहता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके साथ ही प्रबंधन समिति के सदस्य डोली मेहता, करुण मेहता, श्वेता मेहता, ज्योति एवं गौरव ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर शिक्षकगण अनंत कथूरिया, दीपशिखा सरदाना, इंदु कामरा, प्रभजोत कौर, कवलजीत, शालू मेहता, आराधना मेहता, सिमरनजीत कौर, शैफी सरदाना, गुरप्रीत कौर, सपना मेहता, बसंत कौर, नवदीप कौर, महक मेहता, रितु हांडा, देवजोत, किरणदीप, पूनम, पूजा, रेनू, अर्जुन, बंता सिंह, करण, जितेंद्र, दिलप्रीत एवं जासमिन कौर भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों एवं प्रबंधन सदस्यों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

# जबलपुर में 16वां जैनत्व बाल संस्कार आवासीय शिक्षण शिविर प्रारंभ, 350 से अधिक बच्चों की सहभागिता

**जबलपुर. शाबाश इंडिया**

जैन युवा फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित 16वां ''जैनत्व बाल संस्कार आवासीय शिक्षण शिविर'' का शुभारंभ 3 मई 2026 को प्रातः विधिवत रूप से किया गया। ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित इस आवासीय शिविर में 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग के 350 से अधिक बालक एवं बालिकाएं उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। पिछले 15 वर्षों से मध्यप्रदेश में निरंतर सफलतापूर्वक आयोजित हो रहा यह शिविर बच्चों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं आध्यात्मिक चेतना के विकास का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। शिविर का उद्देश्य आधुनिक जीवनशैली के बीच बच्चों को संस्कारों से जोड़ना तथा उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करना है। शिविर के प्रथम दिन प्रातः जागरण, प्रार्थना, योग एवं जिनेन्द्र अभिषेक-पूजन के साथ कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। इसके बाद शिक्षण कक्षाएं, सामूहिक गतिविधियां एवं परिचय सत्र आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे शिविर के दौरान नियमित दिनचर्या के अंतर्गत अध्ययन, योग, ध्यान, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नैतिक शिक्षा से जुड़े विविध सत्र आयोजित किए जाएंगे। शिविर की विशेषता यह है कि इसमें बाल मनोविज्ञान के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा कक्षाएं संचालित की जा रही हैं, जो बच्चों के व्यक्तित्व विकास, व्यवहार एवं आत्मविश्वास को सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होंगी। साथ ही, बच्चों के लिए कहानी लेखन, समूह परिचर्चा, निबंध, चित्रकला एवं अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा। आयोजकों के अनुसार यह शिविर बच्चों को सकारात्मक, सुरक्षित एवं अनुशासित वातावरण प्रदान करता है, जहां वे न केवल शिक्षा प्राप्त करते हैं, बल्कि जीवनोपयोगी मूल्यों को भी आत्मसात करते हैं। यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक शिक्षण शिविर 10 मई 2026 तक संचालित रहेगा। समापन अवसर पर विभिन्न प्रस्तुतियां एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और संस्कारयुक्त जीवन के लिए ऐसे आयोजनों से अवश्य जुड़ें।

## संगिनी फॉरएवर ग्रुप का धमाकेदार आयोजनः मस्ती, टैलेंट और स्वाद का यादगार संगम

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** संगिनी फॉरएवर ग्रुप द्वारा 4 मई को आयोजित भव्य कार्यक्रम में उत्साह, प्रतिभा और मनोरंजन का शानदार संगम देखने को मिला। अध्यक्ष शकुंतला जी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 80 सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही और सभी ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती एलिजा बड़जात्या (कोलकाता) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। गिफ्ट प्रायोजन श्रीमती सरोज जैन छाबड़ा ने किया, जबकि खेल संयोजन अर्चना जैन एवं उर्मिला जैन ने बेहतरीन ढंग से संभाला। टैलेंट परफॉर्मेंस के जज के रूप में मोनिका जैन एवं सुनीता अजमेरा ने अपनी भूमिका निभाई। हाउजी का संचालन बबीता जैन, सरोज जैन, शीला जैन एवं अलका जैन द्वारा प्रभावी रूप से किया गया। टैलेंट परफॉर्मेंस में अनीता जी, मीना जी, अर्चना जी और दीपा जी ने उत्कृष्ट प्रस्तुति देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सोलो परफॉर्मेंस में मीनाक्षी जैन प्रथम और कविता जैन द्वितीय रहीं। बेस्ट ड्रेस अवॉर्ड श्रीमती अरुणा जैन गंगवाल को मिला, जबकि मंजू पुरी द्वितीय और चारू जैन तृतीय स्थान पर रहीं। मनोरंजक खेलों में अंजना जैन शाह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। कार्यक्रम का मंच संचालन सचिव सुनीता गंगवाल ने प्रभावशाली अंदाज में किया, जिससे माहौल पूरे समय जीवंत और आनंदमय बना रहा। इस अवसर पर श्रीमती मोनिका जैन की वर्षगांठ भी उत्साहपूर्वक मनाई गई। केक कटिंग और डांस के साथ अप्रैल, मई और जून माह में आने वाली सभी वर्षगांठों को सामूहिक रूप से सेलिब्रेट किया गया, जिससे कार्यक्रम में अपनापन और बढ़ गया। कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन ने बताया कि सभी सदस्यों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वादिष्ट व्यंजनों का भरपूर आनंद उठाया। आयोजन की व्यवस्थाओं में अनीता जैन, मधु पांड्या, अंजना शाह, बीना शाह, मीनाक्षी जैन, पुष्पा बिलाला एवं स्नेहलता जैन सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। अंत में अध्यक्ष शकुंतला जी ने सभी सदस्यों के सहयोग और सहभागिता के लिए आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

# शनि ग्रह बना देता है रंक को राजा और राजा को रंक

### 16 मई को मनाई जाएगी शनि जयंती, बन रहा दुर्लभ शनिश्चरी अमावस्या का संयोग

**मुरैना (मनोज जैन नायक)।** शनि ग्रह को न्याय का देवता माना जाता है। शनि देव मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं। मान्यता है कि वे रंक को राजा और राजा को रंक बनाने की क्षमता रखते हैं। इस वर्ष शनि जयंती 16 मई, शनिवार को मनाई जाएगी। शनि ग्रह का नाम सुनते ही लोगों में भय का भाव भी देखा जाता है, लेकिन ज्योतिष के अनुसार यदि शनि की स्थिति कुंडली में शुभ हो तो व्यक्ति को उन्नति, सम्मान और समृद्धि प्राप्त होती है। वहीं, अशुभ स्थिति में शनि अनेक प्रकार के कष्ट भी दे सकते हैं। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन के अनुसार वर्तमान में शनि मीन राशि में गोचर कर रहे हैं, जिससे कुंभ, मीन और मेष राशियों पर शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव है, जबकि सिंह और धनु राशियों पर शनि की ढैया चल रही है। शनि की चाल सभी ग्रहों की तुलना में अत्यंत धीमी होती है और वे एक राशि में लगभग ढाई वर्ष तक रहते हैं। सामान्यतः किसी व्यक्ति के जीवन में साढ़ेसाती तीन बार तक आ सकती है। उन्होंने बताया कि शनि ग्रह व्यक्ति के कर्मों का सटीक लेखा-जोखा करते हैं। अच्छे कर्म करने पर सुख, शांति, यश और समृद्धि प्रदान करते हैं, जबकि बुरे कर्मों पर कष्ट, बाधाएं और विपरीत परिस्थितियां उत्पन्न करते हैं। ज्येष्ठ मास की अमावस्या पर मनाई जाने वाली शनि जयंती इस वर्ष शनिवार को पड़ रही है, जिससे 'शनिश्चरी अमावस्या' का विशेष शुभ संयोग बन रहा है। यह दिन शनि देव की पूजा-अर्चना के लिए अत्यंत फलदायी माना गया है। अमावस्या तिथि का आरंभ 16 मई को सुबह 05:11 बजे से होगा और समापन 17 मई को रात्रि 01:30 बजे पर होगा। जिन व्यक्तियों पर साढ़ेसाती, ढैया या शनि की महादशा/अंतर्दशा का प्रभाव है, उन्हें इस दिन विशेष रूप से उपाय करने चाहिए। शनि देव को प्रसन्न करने के लिए सरसों का तेल अर्पित करना, काला वस्त्र, उड़द की दाल, काले तिल एवं लोहे की वस्तुओं का दान करना लाभकारी माना गया है। इस अवसर पर ''ॐ शं शनैश्चराय नमः'' मंत्र का जाप तथा शनि चालीसा का पाठ करने से भी शनि के कष्टों में कमी आती है और जीवन में सकारात्मकता का संचार होता है।

# 36 मूलगुणधारी आचार्य श्री का 36 साधुओं सहित भव्य मंगल प्रवेश, 10 वर्षों बाद ऐतिहासिक क्षण

## देव, शास्त्र और गुरु हमारी आराधना के केंद्र, भक्ति से कर्मों का क्षय होता है : आचार्य वर्धमान सागर जी

**जयपुर (ठिकरिया). शाबाश इंडिया**

प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की अक्षुण्ण मूल बालब्रह्मचारी पट्ट परंपरा के पंचम पट्टाधीश 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज का 5 मई को लगभग 6.5 किलोमीटर विहार कर श्री दिगम्बर चन्द्रप्रभ मंदिर, चन्द्रपुरी (बड़ के बालाजी), ग्राम ठिकरिया में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। हाथी-घोड़े, सैकड़ों ध्वज-पताकाओं और भक्तिमय नृत्य के साथ हुए इस ऐतिहासिक प्रवेश में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। आचार्य संघ के साथ 10 मुनिराज, 20 आर्यिकाएं, 1 ऐलक, 4 क्षुल्लक और 1 क्षुल्लिका सहित कुल 37 पीच्छी का प्रवेश हुआ। श्री भागचंद-श्रीमती सुनीता चूड़ीवाल परिवार ने आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर मंगल आरती की। इससे पूर्व वर्ष 2016 में आचार्य संघ का बड़ के बालाजी में प्रवेश हुआ था। कार्यक्रम में श्री चंद्रप्रभ भगवान के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन ब्रह्मचारी गज्जू भैया, अतिथियों तथा चूड़ीवाल परिवार द्वारा किया गया। नृत्य मंगलाचरण के पश्चात मुनि श्री हितेंद्र सागर जी ने प्रवचन दिए। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने अपने प्रवचन में कहा कि देव, शास्त्र और गुरु जैन धर्म के प्राण हैं। इनकी भक्ति से कर्मों का प्रक्षालन होता है और आत्मा निर्मल बनती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे व्यक्ति दर्पण में शरीर की कमियों को देख सुधार करता है, वैसे ही आत्मा की शुद्धि के लिए धर्म और भक्ति आवश्यक है। उन्होंने मोह और ममता से ऊपर उठकर भगवान के चरणों में जाने, अभिषेक-पूजन और आराधना करने का संदेश दिया। आचार्य श्री ने कहा कि धर्म के कार्यों से आत्मा पुण्य अर्जित करती है, जिससे श्रेष्ठ मानव जीवन की प्राप्ति होती है और गुरु मार्गदर्शन से जीवन संवरता है। प्रवचन के दौरान उन्होंने समाधिस्थ आर्यिका श्री सुपार्श्व मति जी के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए उनके दृढ़ संकल्प और साधना को प्रेरणादायी बताया। साथ ही आचार्य धर्म सागर जी एवं आचार्य अजीत सागर जी महाराज के आशीर्वाद का भी स्मरण किया। आचार्य श्री ने कहा कि देव, शास्त्र और गुरु की भक्ति कभी व्यर्थ नहीं जाती। सच्चे भाव से की गई आराधना का फल अवश्य प्राप्त होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से धर्म, भक्ति और संयम के मार्ग पर चलकर जीवन को सार्थक बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पीले वस्त्रों का विशेष ड्रेस कोड रखा गया, जिसमें पुरुषों ने पीला कुर्ता और सफेद पायजामा धारण किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

**(राजेश पंचोलिया, इंदौर)**

# कोटा विश्वविद्यालय में 'हिमालयन गोल्ड' (कॉर्डिसेप्स) पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

**कोटा. शाबाश इंडिया**

कोटा विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा मंगलवार, 5 मई 2026 को औषधीय गुणों से भरपूर 'कॉर्डिसेप्स', जिसे 'हिमालयन गोल्ड' के नाम से जाना जाता है, पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य कॉर्डिसेप्स के कृत्रिम उत्पादन, तकनीकी प्रक्रियाओं और इसके व्यावसायिक उपयोग की जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. आर. के. लवानिया (सीएमएचओ एवं संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कोटा) ने अपने संबोधन में कॉर्डिसेप्स के औषधीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वैश्विक स्वास्थ्य क्षेत्र में इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पल्लवी शर्मा ने किया, जबकि तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में

डॉ. नेहा चौहान और डॉ. श्वेता गुप्ता ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। विशेषज्ञों ने बताया कि कॉर्डिसेप्स का उत्पादन पूरी तरह नियंत्रित वातावरण में किया जाता है, जिसके लिए प्रयोगशाला में 18त्ज से 22त्ज तक स्थिर तापमान तथा लगभग 70-80 प्रतिशत आर्द्रता बनाए रखना आवश्यक होता है। इसके लिए लैमिनार एयर फ्लो, ऑटोक्लेव तथा विशेष प्रकाश व्यवस्था वाले इनक्यूबेशन कक्ष की आवश्यकता होती है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों को ब्राउन राइस तैयार करने, उच्च गुणवत्ता वाले कल्चर के चयन, स्पॉनिंग (बीजारोपण) और माइसेलियम की वृद्धि के लिए अनुकूल परिस्थितियों के प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताया गया। विशेषज्ञों ने जानकारी दी कि लगभग 60 से 70 दिनों के चक्र में इस मशरूम का उत्पादन कर इसे सुखाकर सुरक्षित पैकेजिंग के साथ बाजार में उपलब्ध कराया जा सकता है। कॉर्डिसेप्स की बहुआयामी उपयोगिता इसे चिकित्सा और वाणिज्यिक क्षेत्रों में अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। इसका उपयोग रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, शारीरिक सहनशक्ति सुधारने और थकान कम करने के लिए किया जाता है। इसके साथ ही इसमें एंटी-कैंसर, एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-एजिंग गुण भी पाए जाते हैं, जो हृदय स्वास्थ्य, किडनी की कार्यक्षमता और श्वसन संबंधी समस्याओं में सहायक माने जाते हैं। चिकित्सा क्षेत्र के अलावा, कॉर्डिसेप्स का उपयोग न्यूट्रास्यूटिकल्स, हेल्थ सप्लीमेंट्स और सौंदर्य प्रसाधनों के निर्माण में भी किया जा रहा है। इसकी बढ़ती मांग के चलते यह सूक्ष्मजीव विज्ञान में अनुसंधान और उच्च मूल्य वाले कृषि-उद्यम के लिए नए अवसर प्रदान कर रहा है, जिससे विद्यार्थियों में उद्यमिता को बढ़ावा मिल सकता है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

# 6-7 मई 2026 की दरमियानी रात दिखेगा ईटा एक्वारिड्स उल्का वर्षा का अद्भुत नजारा

सुशी सक्सेना. शाबाश इंडिया

खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि मई माह की प्रमुख खगोलीय घटनाओं में शामिल ईटा एक्वारिड्स उल्का वर्षा इस वर्ष 6-7 मई 2026 की दरमियानी रात अपने चरम पर पहुंचेगी। यह उल्का वर्षा प्रतिवर्ष होने वाली नियमित खगोलीय घटना है, जिसकी सक्रिय अवधि लगभग 19 अप्रैल से 28 मई तक रहती है। यह प्रसिद्ध हैली धूमकेतु द्वारा छोड़े गए धूल और चट्टानी कणों से उत्पन्न होती है। जब पृथ्वी इन कणों के मार्ग से गुजरती है, तो ये वायुमंडल में प्रवेश करते समय जलकर आकाश में चमकीली लकीरों के रूप में दिखाई देते हैं।

## कितनी तेज होती हैं उल्काएं?

खगोल विज्ञान के अनुसार, उल्काएं पृथ्वी के वायुमंडल में लगभग 11 से 72 किमी प्रति सेकंड की गति से प्रवेश करती हैं। ईटा एक्वारिड्स की गति लगभग 66 किमी प्रति सेकंड होती है, जिससे ये लंबी और चमकीली लकीरें बनाती हैं, जिन्हें कभी-कभी ''पर्सिस्टेंट ट्रेन्स'' भी कहा जाता है।

## कितनी उल्काएं दिख सकती हैं?

भारत जैसे क्षेत्रों में अनुकूल परिस्थितियों (अंधेरा आकाश और कम प्रकाश प्रदूषण) में प्रति घंटे लगभग 10-30 उल्काएं देखी जा सकती हैं, जबकि अत्यंत अनुकूल स्थिति में यह संख्या 40-50 प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

## कब और कैसे देखें यह नजारा?

उल्का वर्षा देखने का सर्वोत्तम समय 6 मई की रात 2:00 बजे से 7 मई की सुबह 4:30 बजे (भारतीय समय) के बीच रहेगा। इस समय

कुंभ राशि आकाश में ऊंचाई पर होती है, जो इस उल्का वर्षा का रेडिएंट बिंदु है। हालांकि उल्काएं पूरे आकाश में कहीं भी दिखाई दे सकती हैं।

## भौगोलिक प्रभाव

यह उल्का वर्षा दक्षिणी गोलार्ध में अधिक सक्रिय दिखाई देती है, लेकिन भारत में भी इसका अच्छा अवलोकन संभव है। 6-7 मई की दरमियानी रात इसका दृश्य विशेष रूप से आकर्षक रहेगा।

## कैसे करें अवलोकन?

उल्का वर्षा देखने के लिए किसी अंधेरी और साफ जगह का चयन करें, जहां प्रकाश प्रदूषण न हो। आंखों को अंधेरे में अभ्यस्त होने के लिए कम से कम 15-20 मिनट दें। बेहतर दृश्य के लिए पूर्व-दक्षिण दिशा की ओर देखें। इसे देखने के लिए किसी दूरबीन की आवश्यकता नहीं होती; नंगी आंखों से ही इसका आनंद लिया जा सकता है। यदि आपके पास कैमरा या खगोलीय उपकरण हैं, तो आप इसकी शानदार एस्ट्रोफोटोग्राफी भी कर सकते हैं। खगोलविद अमर पाल सिंह के अनुसार, यदि मौसम साफ रहा तो यह घटना आम लोगों और खगोल प्रेमियों के लिए एक रोमांचक और दुर्लभ अनुभव साबित होगी।

# डडूका में 'प्लास्टिक मुक्त भारत' अभियान के बैनर का लोकार्पण

### महावीर इंटरनेशनल की बैठक संपन्न

**इस अवसर पर अतिथियों द्वारा 'मिशन ऑक्सीजन', 'कपड़े की थैली' और 'रूफ वाटर हार्वेस्टिंग' से संबंधित जागरूकता बैनर का विधिवत लोकार्पण किया गया।**

**डडूका. शाबाश इंडिया।** महावीर इंटरनेशनल डडूका की मासिक बैठक वीर रणजीत सिंह सोलंकी के निवास पर आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जीवनराम पाटीदार ने की, जबकि जिला कॉर्डिनेटर सुंदरलाल पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इंटरनेशनल डायरेक्टर नॉलेज शेयरिंग एवं ई चौपाल अजीत कोठिया विशिष्ट अतिथि के रूप में बैठक में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में केंद्र अध्यक्ष वीर रणजीत सिंह सोलंकी ने नाकोडा मंथन शिविर की महत्वपूर्ण और मंगलमय सूचनाएं सभी सदस्यों के साथ साझा कीं। बैठक के दौरान गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने सामाजिक सेवा की दिशा में महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। उन्होंने एपेक्स से प्राप्त 'बेबी कीट', 'सेनेटरी नेपकिन' तथा 'जीवन रक्षक कीट' को चिकित्सालयों, विद्यालयों की उच्च कक्षाओं की छात्राओं और आम जनमानस में वितरित करने का सुझाव दिया, जिसे सदन के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। बैठक में केंद्र के वर्ष 2026-27 का वार्षिक शुल्क इसी माह जमा कराने का निर्णय भी लिया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा 'मिशन ऑक्सीजन', 'कपड़े की थैली' और 'रूफ वाटर हार्वेस्टिंग' से संबंधित जागरूकता बैनर का विधिवत लोकार्पण किया गया। डडूका केंद्र के पर्यावरण प्रभारी जसवंत रावल ने आगामी वर्षा काल के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी सदस्यों और ग्रामीणों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया ताकि पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को पूरा किया जा सके। कार्यक्रम का कुशल संचालन अजीत कोठिया ने किया और अंत में अशोक माली ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

# चलित प्याऊ के माध्यम से मानवता परिवार की सराहनीय पहल, श्रमदान हेतु अपील

**सोनल जैन की रिपोर्ट**

भीषण गर्मी को देखते हुए मानवता परिवार द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर में यात्रियों के लिए शीतल पेयजल उपलब्ध कराने हेतु चलित प्याऊ (निःशुल्क जल सेवा) का संचालन निरंतर किया जा रहा है। इस सेवा का उद्देश्य गर्मी के इस कठिन समय में प्रत्येक जरूरतमंद तक राहत पहुंचाना है, ताकि कोई भी प्यासा न रहे। मानवता परिवार के संस्थापक बबलू सिंधी ने बताया कि यह सेवा पूरे ग्रीष्मकाल के दौरान लगातार जारी रहेगी। उन्होंने नगर के समाजसेवी नागरिकों से इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा, ''जल सेवा सबसे श्रेष्ठ सेवा है। भीषण गर्मी में एक गिलास पानी भी किसी के लिए अमृत के समान होता है। यदि हम सब मिलकर थोड़ा-थोड़ा समय श्रमदान के रूप में दें, तो यह सेवा और अधिक प्रभावी और निरंतर बन सकती है।'' उन्होंने आगे बताया कि इच्छुक व्यक्ति इस सेवा में शामिल होकर पानी वितरण, व्यवस्था संचालन एवं जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्यों में अपना योगदान दे सकते हैं। मानवता परिवार ने नगरवासियों से आह्वान किया है कि वे आगे आकर इस जनसेवा से जुड़ें और मानवता की इस मिसाल को और अधिक सशक्त बनाएं।

# अंबाह में बाल मुनि अनुकरण सागर जी की आहारचर्या बनी आकर्षण का केंद्र

## जैन संतों के कठोर नियम जानकर श्रद्धालु हो रहे आश्चर्यचकित

**अंबाह. शाबाश इंडिया।** विभिन्न धर्मों के साधु-संतों की जीवनशैली और आहार के अपने-अपने नियम होते हैं, लेकिन जैन साधु-संतों की आहारचर्या अपनी कठोरता, संयम और अनुशासन के लिए विशेष रूप से जानी जाती है। इन दिनों नगर में विराजमान बाल मुनि अनुकरण सागर जी महाराज की आहारचर्या श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। श्रीमती ऊषा भंडारी के निवास पर आयोजित आहार स्थल पर संत श्री ने इस विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैन मुनि दिनभर में केवल एक बार ही भोजन और जल ग्रहण करते हैं। यह आहार सूर्योदय के बाद निर्धारित 5 से 6 घंटे के भीतर ही लिया जाता है। यह केवल शरीर के पोषण का माध्यम नहीं, बल्कि साधना का महत्वपूर्ण अंग है। जैन संत स्वाद के लिए नहीं, बल्कि धर्म साधना को ध्यान में रखकर ही आहार ग्रहण करते हैं। यदि निर्धारित नियमों के अनुसार 'विधि' पूर्ण नहीं होती, तो वे बिना आहार किए ही लौट जाते हैं और कई बार उपवास भी कर लेते हैं। आहार ग्रहण से पूर्व मुनि जिनप्रतिमा के दर्शन कर विशेष विधि लेते हैं और एक निश्चित मुद्रा में आहार के लिए निकलते हैं। इस दौरान श्रद्धालु 'पड़गाहन' करते हैं, जिसमें नियम अनुसार नारियल, कलश और लौंग जैसी वस्तुओं का होना आवश्यक होता है। विधि अपूर्ण होने पर मुनि आहार ग्रहण नहीं करते। जैन मुनियों की आहारचर्या को 'सिंहवृत्ति' कहा जाता है। इसमें मुनि एक ही स्थान पर खड़े होकर दोनों हाथों की अंजुली बनाकर भोजन करते हैं। वे किसी पात्र या थाली का उपयोग नहीं करते।

# सरावगी समाज के जिला प्रवक्ता बने विमल जौंला

**टोडारायसिंह. शाबाश इंडिया।** श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज के जिला अध्यक्ष संत कुमार जैन ने टोंक जिला प्रवक्ता पद पर विमल जौंला को मनोनीत किया है। यह नियुक्ति समाज के जिला संयोजक सुरेन्द्र मोहन जैन के निर्देशन में की गई। विमल जौंला की नियुक्ति पर जैन समाज में हर्ष का माहौल है। समाज के प्रवक्ता मुकुल जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि जौंला पिछले लगभग 30 वर्षों से समाज की सेवा में सक्रिय हैं और धर्म के निष्पक्ष प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं। समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनकी नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि वे अपने दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

# भीलवाड़ा के उमंग डांगी व टीम को टेक्नो तरंग हैकथॉन-2026 में प्रथम स्थान

**भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया।** जयपुर में आयोजित टेक्नो तरंग हैकथॉन-2026 में भीलवाड़ा निवासी प्रतिभावान छात्र उमंग डांगी ने अपनी टीम के साथ प्रथम स्थान हासिल किया। उमंग, समाजसेवी मुकेश डांगी के पुत्र हैं और उन्होंने उदयपुर स्थित गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज (गिट्स) का प्रतिनिधित्व करते हुए यह उपलब्धि प्राप्त की। प्रतियोगिता में सहायक प्रोफेसर लतीफ खान के निर्देशन में शामिल टीम में उमंग डांगी के साथ काव्या जैन, निहार सोनी एवं हर्षित कुमावत भी शामिल थे। टीम ने खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक उन्नत ''ऑयल एडल्टरेशन डिटेक्टर'' डिवाइस का प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। यह उपकरण विभिन्न खाद्य तेलों में मिलावट की सटीक पहचान करने में सक्षम है, जिससे उपभोक्ताओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य तेल उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी तथा मिलावटखोरी पर भी प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। देशभर से आई टीमों के बीच इस नवाचार आधारित और सामाजिक उपयोगिता वाले प्रोजेक्ट के लिए उमंग डांगी व उनकी टीम को प्रथम स्थान के साथ 31 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। संस्थान के वित्त नियंत्रक बी.एल. जांगिड़ ने कहा कि संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए नवाचार उन्मुख वातावरण, संसाधन और प्रोत्साहन ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## मुनि श्री 108 विलोक सागर जी महाराज एवं विवोध सागर जी महाराज का श्री महावीर जी में मंगल प्रवेश

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में मुनि श्री 108 विलोक सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 विवोध सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। दोनों मुनिराज परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की परंपरा में आचार्य श्री 108 आर्जव सागर जी महाराज के शिष्य हैं। मंगल प्रवेश के अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी विष्णु सिकरवाल, विशेषाधिकारी विकास पाटनी, पंडित मुकेश जैन शास्त्री एवं सोनू पुजारी सहित श्रद्धालुओं ने मुनि श्री का पाद प्रक्षालन कर मंगल आरती की। इसके पश्चात मुनि श्री ने ससंघ मुख्य मंदिर में भगवान महावीर स्वामी की मूलनायक प्रतिमा के दर्शन किए तथा ध्यान केंद्र का अवलोकन किया। तत्पश्चात आयोजित धर्मसभा में मुनि श्री ने मंगल प्रवचन देते हुए कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है और इसका सर्वोच्च उद्देश्य आत्मकल्याण एवं मोक्ष प्राप्ति है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में संयम, त्याग और सदाचार को अपनाना चाहिए। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे कषाय हमारे दुःखों के प्रमुख कारण हैं, जिनका त्याग कर ही आत्मा की शुद्धि संभव है। मुनि श्री ने कहा कि धर्म केवल बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि आचरण की पवित्रता है। यदि हम अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और करुणा को अपने जीवन में अपनाएं, तो जीवन सफल बन सकता है। उन्होंने आत्मचिंतन, ध्यान और समय के सदुपयोग पर विशेष बल देते हुए कहा कि अच्छे संस्कारों को अपनाकर ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ प्राप्त किया तथा मुनि श्री से मंगल आशीर्वाद लिया।

# आचार-विचार और खान-पान में एकरूपता आवश्यक : मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

### पुस्तक विमोचन के साथ सम्मान समारोह, बंगला चौराहे पर होगा भव्य जिनालय प्रतिष्ठा महोत्सव

मुंगावली. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि हमारे आचार-विचार और खान-पान में एकरूपता होनी चाहिए। हमारी संस्कृति और सभ्यता को आगे बढ़ाने के लिए जीवन में मयार्दा और संयम का पालन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को हर कार्य में सीमा निर्धारित करनी चाहिए, यहां तक कि भोजन में भी संयम रखना चाहिए। मुनि श्री ने सुधासागर सभागार में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति कहीं भी कुछ भी खा सकता है, लेकिन उसमें मयार्दा आवश्यक है। घर में भी भोजन केवल रसोई में ही करना चाहिए तथा स्वच्छता और नियमों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंदिर में प्रवेश के भी नियम होते हैं, जिनका पालन करने से अभिषेक और शांतिधारा का श्रेष्ठ फल प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि आज रिश्तों में भी समान आचार-विचार का महत्व है। विवाह ऐसे परिवारों में होना चाहिए, जहां विचार, संस्कार और गुरु परंपरा समान हो। उन्होंने कहा कि ''हम सुधरेंगे तो जग सुधरेगा'', इसलिए दूसरों को बदलने से पहले स्वयं को सुधारना आवश्यक है। मध्यप्रदेश सभा संयोजक एवं अशोक नगर जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में,

प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया के निर्देशन में जिला मुख्यालय से लगभग 36 किलोमीटर दूर बंगला चौराहे पर नव निर्मित भव्य जिनालय की प्रतिष्ठा आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर जैन समाज के विभिन्न प्रतिनिधियों ने श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में मनोज कुमार ओड़ेर, बाबूलाल जैन, मनोज सरपंच, मोनू ओड़ेर, संजीव जैन, रिक्कू, सौरव जैन सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे। साथ ही खनियांधाना के तहसीलदार ऋषिकांत जैन का भी जैन समाज द्वारा सम्मान किया गया। मुनि श्री ने कहा कि साधारण कार्य करते हुए भी जीवन को असाधारण बनाया जा सकता है। उन्होंने प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसा कार्य करें, जो समाज में लंबे समय तक याद रखा जाए। उन्होंने बताया कि मनुष्य को ही अच्छे-बुरे कर्म करने की स्वतंत्रता मिली है, इसलिए उसे अपने जीवन की दिशा स्वयं निर्धारित करनी चाहिए।

# दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ''तीर्थंकर'' जयपुर की बैठक सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ''तीर्थंकर'' जयपुर की इस वर्ष की दूसरी बैठक अतिशय क्षेत्र में आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत भगवान के समक्ष भक्तामर स्तोत्र एवं नमोकार मंत्र के पाठ के साथ हुई। इसके पश्चात स्वल्पाहार एवं चायपान के बाद औपचारिक कार्यक्रम प्रारंभ किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने पंजीकरण कराया। कार्यक्रम में श्रीमती आभा गंगवाल, नवरतन ठोलिया, कमलेश पाटनी, मैना पाटनी, वीणा जैन एवं डॉ. शांति जैन मणि ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। भगवान के चित्र का अनावरण श्री प्रेमचंद गंगवाल एवं श्रीमती कान्ता गंगवाल ने किया, जबकि दीप प्रज्ज्वलन श्रीमती सुमति अजमेरा (माताश्री यश कमल अजमेरा–राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, फेडरेशन इंदौर) द्वारा किया गया। अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन

'मणि' ने सभी आगंतुक सदस्यों का स्वागत किया। इसके पश्चात डॉ. शांति जैन मणि ने प्रश्नमंच एवं धार्मिक हाउजी का आयोजन कराया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही अन्य मनोरंजक खेल भी आयोजित किए गए। बैठक के दौरान अप्रैल एवं मई माह में जन्मदिन तथा विवाह करने वाले सदस्यों का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। इसके अतिरिक्त रमेश जी-सुमति अजमेरा तथा डॉ. एम.एल. जैन मणि-डॉ. शांति जैन मणि की वैवाहिक वर्षगांठ पर उनका अभिनंदन भी किया गया। इसके बाद भक्तामर स्तोत्र के 26वें श्लोक का पाठ कर मुख्य बैठक आयोजित हुई। अध्यक्ष ने आगामी यात्रा के विषय में जानकारी दी तथा सदस्यों के प्रश्नों के उत्तर दिए। अंत में सचिव सुरेश गंगवाल ने सभी सदस्यों को सुरुचिपूर्ण भोजन के लिए आमंत्रित किया, जबकि डॉ. एम.एल. जैन मणि ने सभी के सहयोग एवं सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

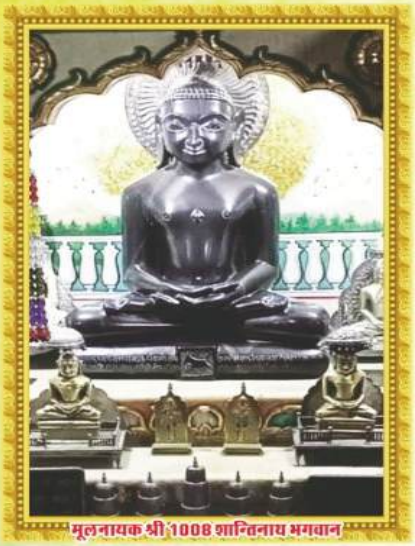

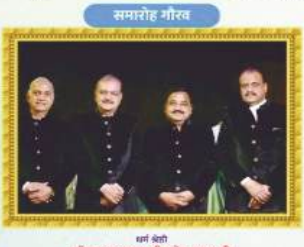

श्री शान्तिनाथ भगवान की जय
श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी, जोबनेर
झालानियों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर
तृतीय वार्षिकोत्सव
स्थान : जोबनेर जैन मंदिर, जयपुर
16 मई शनिवार से 17 मई रविवार तक
विश्व प्रसिद्ध गुलाबी नगरी 'जयपुर' की स्थापना सन् 1728 ई. में हुई, स्थापना पश्चात प्रथम रूप में निर्मित जिनालयों में से एक श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जोबनेर भी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मन्दिर का निर्माण सन् 1740 के लगभग पूर्ण हो चुका था। यह मन्दिर चार दीवारी के मध्य निर्मित जिन मन्दिर अपनी कलात्मकता, भव्यता के लिए सुविख्यात है। मन्दिर की सभी वेदियाँ समवशरण मण्डप एवं जिन मन्दिर की बाहरी दीवार को स्वर्णमण्डित व चित्रांकित करवाकर भव्यता दी हुई है। जिसमें जयपुर में एकमात्र खड्गासन चौबीसी जिनालय मुख्य रूप से स्थापित है।
यह वार्षिकोत्सव शनिवार दिनांक 16 मई, 2026 तदानुसार प्रथम जेठ कृष्ण पक्ष पूर्णिमा से रविवार 17 मई, 2026 प्रथम जेठ शुक्ला एकम् तक होने जा रहा है। आप सभी को जानकर हर्ष होगा कि मन्दिर जी में मुलनायक भगवान श्री 1008 शान्तिनाथ भगवान के अभिषेक एवं शान्तिधारा होने जा रहा है। जिसमें आप सभी साधर्मी बन्धुओ से निवेदन कि अपने परिवारजनों एवं इष्टमित्रों के साथ अधिक से अधिक संख्या में पधार कर इस कार्यक्रम को सफल बनाये एवं धर्म लाभ उठायें।
कार्यक्रम रूपरेखा
शनिवार 16 मई, 2026
108 दीपों से संगीतमय आरती : सांय 7.00 बजे
भक्ताम्बर पाठ की 48 दीपों के द्वारा संगीतमय महाअर्चना : 7.30 बजे से
रविवार 17 मई, 2026
अभिषेक एवं शांतिधारा : प्रात: 6.30 बजे
झंडारोहण : 8.00 बजे
दीप प्रज्वलन : 8.10 बजे
शांतिनाथ विधान एवं पूजन : 8.15 बजे
वात्सल्य भोज : 12.15 बजे से
प्रतिष्ठाचार्य
संगीतकार
मूलनायक श्री 1008 शान्तिनाथ भगवान
श्री समवशरण की भव्य रचना
सौधर्म इंद्र
ईशान इंद्र
सानत कुमार इन्द्र
महेन्द्र इंद्र
कुबेर इंद्र
लान्तव इंद्र
मुख्य अतिथि
समारोह गौरव
झंडारोहण कर्ता
कार्यक्रम अध्यक्षता
दीप प्रज्वलन कर्ता
ब्रह्म इंद्र
संगीतमय भक्ताम्बर पुण्यार्जक
पूजन सामग्री पुण्यार्जक
संगीतकार पुण्यार्जक
विशिष्ट अतिथि
विशिष्ट अतिथि
विशिष्ट अतिथि
विशिष्ट अतिथि
प्रचार सामग्री पुण्यार्जक
फोटो एवं विडियोग्राफी पुण्यार्जक
इवेन्ट पुण्यार्जक
अन्य सहयोग कर्ता : पदम कुमार जी - वन्दना जी छाबड़ा, दिलीप जी - आशा जी छाबड़ा, पुखराज जी - शीला जी पाटनी
संरक्षक प्रकाश चन्द काला 9166063327
अध्यक्ष संजय रॉवका 9509270755
कार्यक्रम संयोजक विनय कुमार जैन प्रवीण गंगवाल
पूजन संयोजक राकेश काला मैना बाकलीवाल
मंत्री राजेश काला 9352979952
संरक्षक इन्द्र कुमार बाकलीवाल 9829160927
कार्यकारिणी समिति
विनय बाकलीवाल, प्रवीण गंगवाल राकेश काला, अशोक कुमार छाबड़ा मैना बाकलीवाल, प्रकाश लुहाड़िया पंकज जैन
S.S. Caterers
क्षेत्रपाल गृह उद्योग
घर के शुद्ध पिसे मसाले एवं किराना सामान तथा पुजन सामग्री मिलती है।
होम डिलीवरी की व्यवस्था है
हमारे यहाँ पर घर के शुद्ध पीसे हुये मसाले मिलते हैं।
निवेदक : प्रबन्धक कार्यकारिणी समिति एवं सकल दिगम्बर जैन समाज, मन्दिर जोबनेर, जयपुर

# गोधा परिवार नें श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के छात्रों को कराया भोजन

## स्व. सुजानमल गोधा व स्व. कमला देवी गोधा की स्मृति में आयोजन, अश्वनी–मधु गोधा बने शिरोमणि संरक्षक

कार्यक्रम में उपस्थित गोधा परिवार एवं गणमान्यजन

**जयपुर।** स्वर्गीय श्री सुजानमल जी गोधा एवं स्वर्गीय श्रीमती कमला देवी गोधा की पुण्य स्मृति में अश्वनी–मधु गोधा परिवार द्वारा श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर के छात्रों को प्रातः भोजन कराया गया।
इस अवसर पर विधार्थियों को स्नेहपूर्वक भोजन परोसा गया और सेवा भाव का प्रेरणादायी संदेश दिया गया।

संस्थान के महामंत्री **सुरेश कासलीवाल** ने बताया कि इस अवसर पर अश्वनी–मधु गोधा ने संस्थान के **शिरोमणि संरक्षक** बनने की घोषणा करते हुए उसी समय चेक भेंट कर स्वीकृति प्रदान की।

**राकेश गोदिका** के अनुसार, कार्यक्रम में कमलेश–ऊषा गंगवाल, सुशील–मंजू, सुमेर–ममता, सुरेंद्र–निर्मला, श्रीमती सज्जन कंवर, अशोक–प्रमिला, अंकित तथा सन्मति ग्रुप के संगठन सचिव **नितेश पंडया** सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

सभी ने इस सेवा कार्य में सहभागिता निभाकर पुण्य अर्जित किया तथा दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही सेवा और संस्कारों की इस परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

छात्रों को भोजन परोसते गोधा परिवार के सदस्य

कार्यक्रम के दौरान सम्मान एवं आत्मीय क्षण

### कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएँ

- श्रमण संस्कृति संस्थान के छात्रों को प्रातः भोजन सेवा
- अश्वनी–मधु गोधा बने संस्थान के शिरोमणि संरक्षक
- समाज के गणमान्यजनों की गरिमामय उपस्थिति
- सेवा, संस्कार और समर्पण की प्रेरणादायी मिसाल

स्व. श्री सुजानमल जी गोधा स्व. श्रीमती कमला देवी गोधा

**की पुण्य स्मृति में सेवा का यह पुनीत कार्य**

**"सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है"**